LOK SABHA

Wednesday, July 30, 1969/Sravana 8, 1891 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Lakkappa—not here; Shri Yashpal Singh.

श्री राम सेवक यादव : उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न में भी बाम्बे के खिलाफ इन्सिनुएशन है। उस दिन श्री मोलहू प्रसाद के प्रश्न को लेकर इसी बात को उठाया गया था।

SHRI SHIV NARAIN : I support Mr. Ram Sewak Yadav. (*Interruption*) वही सवाल यहां पर भी है। इसकी बात पर आप अमल कीजिए। यह बात यहां पर हो चुकी है तामिलनाद का नाम लेकर। वही सवाल इसमें भी है। इसको आप देखिये।

MR. DEPUTY-SPEAKER Order, order.

SHRI SHEO NARAIN : Yon did it that day. You have set an example in this House. This is the same type of question. (*Interruptions*).

MR. DEPUTY-SPEAKER : There is not even a suggestion of any discrimination. Only 'Madras Film Companies' is mentioned.

श्री शिव नारायण : मद्रास खुदा मियां तो नहीं हो गए। हम इस पर आपकी रूलिंग चाहते हैं।

MR. DEPUTY-SPEAKER : Will you point out if there is any suggestion of discrimination ?

श्री राम सेवक यादव : दो सदस्यों के बीच में भेद-भाव क्यों है।

MR. DEPUTY-SPEAKER : I have not disallowed the other question.

SHRI SHEO NARAIN : This question is also of the same type as the other one. आप हमारे साथ ज्यादती कर रहे हैं। हम उत्तर प्रदेश के गरीब पूर्वी इलाके से आते हैं—हमारे सवालों को आप इग्नोर करते रहे। यह हमारे साथ इनजस्टिस हो रही है। यह बात किसी तरह से मुनासिब नहीं है।···(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY-SPEAKER : Please resume your seat. It is for me to decide. That question is coming before the House.

SHRI SHEO NARAIN : Why did you not allow it that day ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : From both sides of House there was some feeling about it. Please resume yome your seat. Shri Yashpal Singh.

Allotment of Quota of Raw Films to Madras

*211. SHRI YASHPAL SINGH
SHRI K. LAKKAPPA :

Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a complaint has been lodged with Government by the various Madras Film Companies regarding allotment of quota of raw film to them as compared to that allocated to the Bombay Film Industry;

(b) if so, the reasons for this disparity; and

(c) the quantity of raw film fixed by Government to each Film company in the country ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOUDHARY RAM SEWAK) : (a) Yes. Sir. An oral representation was made to the Chief Controller of Imports and Exports during his recent visit to Madras by some film producers.

(b) The entire demand of the Film Producers in the southern region was being ment until recently when there has been a shortfall in the school of production of the Hindustan Photo Films, which is of a temporary nature. Steps are being taken to ensure equitable distribution of entire stock available so as to meet the need of each region.

(c) This is being looked into and a statement indicating the position will be placed on the Table of the House.

श्री यशपाल सिंह : मैं जानना चाहता हूँ कि डिमांड और सप्लाई में कितना फर्क है ? सरकार से यह बात छिपी हुई नहीं है कि उस एरिया में इस वक्त हिन्दी फ़िल्में भी जा रही हैं और यह बात भी क्लियर है कि चाइना की हमदर्दी जहां पैदा हुई है वह इंग्लिश स्पीकिंग पीपुल में हुई है, हिन्दी स्पीकिंग पीपुल में नहीं हुई है तो इस हमदर्दी को भी ढकेलने के लिए और इस डिमांड को मीट आउट करने के लिए सरकार क्या कर रही है ?

श्री चौधरी राम सेवक : इस समय लगभग 15 हजार रोल्स की प्रति मास खपत होती है लेकिन हमारा प्रोडक्शन 12 हजार रोल्स का ही होता है, इस हिसाब से तीन हजार रोल्स की कमी पड़ती है। पिछले दिनों सन 67 में भी इसी प्रकार की कमी आई थी और उनको हम ने इम्पोर्ट से पूरा किया किया था। उसके बाद हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस ने अपना प्रोडक्शन बढ़ाया और साथ-साथ इम्पोर्ट भी एलाऊ किया गया जिसके कारण मार्केट में गलट आ गया और 44-44-12 का फार्मूला तीन जगह बम्बई, कलकत्ता, मद्रास में उसको अबेंडन करना पड़ा। अब दो महीने से जो तकलीफ़ सामने आ रही है उसको पूरा करने के लिए हम 15 हजार रोल्स का इम्पोर्ट कर रहे हैं।

श्री यशपाल सिंह : स्ट्राइक के जो झगड़े हैं वह तो तय नहीं हो सके क्योंकि पब्लिक सेक्टर में सभी की खेती होती है, किसी एक की जिम्मेदारी नहीं होती है। मैं यह जानना चाहता हूं कि इस समय क्या कोई एडहाक कमेटी बनाकर इम्पोर्ट का इन्तजाम करने जा रहे हैं ?

श्री चौधरी राम सेवक : इम्पोर्ट तो हम 15 हजार रोल्स कर रहे हैं। उसके बाद पोजीशन ईज़ हो जायेगी।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : उपाध्यक्ष महोदय, क्या यह सच है कि इस समय देश में एक्सरे लेने के लिए भी फ़िल्मों की कमी है ? अस्पतालों में बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। क्या इस सम्बन्ध में सरकार ने कोई विचार किया है।

श्री चौधरी राम सेवक : हिन्दुस्तान फ़ोटो फ़िल्म्स अब एक्सरे फ़िल्म्स भी बनाने लगे हैं उसकी वजह से भी जिल्म्स इण्डस्ट्री के लिए कुछ कमी पैदा हो गई है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या सवाल, क्या जवाब। आपने तो लाजवाब कर दिया। मैं चाहता हूँ कि भगत जी इसका जवाब दें क्योंकि यह बड़ा गम्भीर प्रश्न है। मैं स्वयं मरीज़ हूँ, मैडिकल इन्स्टीट्यूट में जाता हूं और मुझे पता है कि मरीजों के लिए एक्सरे फ़िल्म्स की बहुत कमी हो गई है। इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार क्या कर रही है ?

वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : यह बात सही है कि मैडीकल इन्स्टीट्यूट, दूसरे हास्पिटल्स और डाक्टरों से भी यह शिकायतें आती हैं कि एक्सरे फिल्म्स की कमी है। हमारे साथी ने जैसा कहा कि 16

हजार फ़िल्म रोल्स बनती थी उसमें अब एक्सरे फ़िल्म्स भी बनने लगी हैं ताकि उसकी कमी को दूर किया जा सके। यह भी विचार हो रहा है कि उससे अगर यह कमी पूरी न हो, इम्पोर्ट करने की जरूरत पड़े तो उस पर भी विचार किया जाये और इसके लिए विदेशी मुद्रा मांगी गई है लेकिन उन्होंने जवाब दिया कि यहीं पर बनाई जायेंगी। उसकी वजह से फ़िल्म रोल्स में कमी आ गई है। इसके अलावा हिन्दुस्तान फोटो फ़िल्म्स में धीमे काम करने का आन्दोलन चला और हड़ताल की आशंका की उससे भी प्रति माह प्रोडक्शन 15 हजार से 12 हजार हो गया। तो उससे भी कमी हुई।

श्री प्रेम चन्द वर्मा : मैं जानना चाहता हूं कि फिल्मों को कोटा एलाट करने का क्या पैमाना है, क्या क्राइटेरिया है ? इसके साथ ही क्या मंत्री महोदय यह भी बतायेंगे कि 67-68 और 68-69 में कितना फारेन एक्सचेंज फ़िल्मों पर खर्च किया गया ? इसके साथ ही क्या आप की नोटिस में यह बात भी आई है कि कुछ फ़िल्म कम्पनीज़ को जो लाइसेंस दिये गए उन्होंने उन फ़िल्म्स को इस्तेमाल नहीं किया—उन्होंने केवल महूरत ही किया है लेकिन फिल्म नहीं बनाई हैं और जो फ़िल्म उन्होंने मंगवाई उसको ब्लैक मार्केट में बेच दिया—क्या इस तरह की शिकायतें आपको मिली हैं तो उस पर क्या ऐक्शन लिया है और अगर ऐक्शन नहीं लिया है तो क्या उसकी जांच करवायेंगे ?

श्री चौधरी राम सेवक : आपके क्वैश्चन का जो सेकेण्ड पैरा है उसका सम्बन्ध सूचना मंत्रालय से है। माननीय सदस्य को इसका सही उत्तर उस मंत्रालय से मिल सकता है।

श्री ब० रा० भगत : माननीय सदस्य ने जो यह प्रश्न पूछा कि कितनी मुद्रा खर्च की गई फिल्म पर और कितने लाइसेंस दिये गए, इसका जवाब दिया कि इसकी पूरी सूचना, सूचना और प्रसारण मंत्रालय से मिलेगी चूंकि यह उनके माततह है।...

श्री प्रेम चन्द वर्मा: लाइसेंस देना तो आपके पास है ?

श्री ब० रा० भगत : मैंने पार्ट 'सी' में जवाब दिया कि कितना फिल्म इन्डस्ट्री को लाइसेंस दिया गया है इसकी सूचना इकट्ठी की जा रही है और वह सूचना टेबिल पर रख दूंगा। जहां तक ब्लैक मार्केट में बेचने की बात है यह विषय हमसे ताल्लुक रखता है। मगर ऐसी कोई शिकायत हमारे पास नहीं आई।

SHRI TENNETI VISWANATHAM : The hon. Minister was good enough to admit that there had been a shortage in the production of films. Is he aware that there is a gentleman called Shri G. D. Naidu who has been experimenting on the manufacture of the raw films and he has even built a factory, and he has been waiting at the doors of this Government for ten years for a licence, and yet Government would not give him a licence ? May I know the reason ?

SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK : That question should be addressed to the Industry Ministry.

SHRI TENNETI VISWANATHAM : This question relates to shortage of films, and that is his responsiblity.

SHRI B. R. BHAGAT : I am sorry. Giving licence for the setting up of a raw film industry is the concern of the Ministry of Industry which is concerned with licensing. We do not have that information.

SHRI MANUBHAI PATEL : It seems from the reply of the hon. Mininster that the difficulty in allocation is mainly due to the porduction of films. Apart from film rolls which are short by 3000 rolls or so, there is also a shortage of X-ray films, and that is also a fact. May I know whether Government have any scheme to set up a factory for producing more films so that they can allot more and the difficulties being experienced in the medical field may also be removed ?

SHRI B. R. BHAGAT : I have parlty answered the question already. If the Hindustan Photo Films is in full production they will be able to meet the demand. It was

meeting the demand until June when on account of a threatened strike in that factory and "go slow" the production went down. As for X-ray films, the shortage is there, X-ray films were also being produced in this factory, and effort is made, if necessary, to import and supply to the hospitals.

SHRI MANUBHAI PATEL : Apart from strikes, the figures given by the hon. Minister himself show the production is short by 3000 rolls.

SHRI B. R. BHAGAT : I am sorry the hon. Member has not followed the answer. The capacity of this factory is 16,000 rolls per month. The production at the moment is 12,000.....

SHRI MANUBHAI PATEL : Even if there were no strike, the shortag would have ben there. With the strike, the shortage will be much more.

SHRI B. R. BHAGAT : It will pick up.

श्री जार्ज फ़रनेन्डीज : मान्यवर, दोनों मंत्रियों के उत्तर में कोई समाधानकारक खुलासा नहीं हो रहा है, एक तस्वीरें बनाने वाली फ़िल्मों की कमी है और दूसरी तरफ ऐक्सरे फ़िल्म्स की भी कमी है और इन दोनों की कमी को सरकार इस समय पूरा नहीं कर पा रही है, आयात से भी और हिन्दुस्तान फोटो फ़िल्म्स से भी। मैं जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी को हैल्थ मिनिस्टर की ओर से ऐसी कोई सूचना मिली है कि बम्बई के अस्पतालों में पिछले तीन महीने से मेजर ऑपरेशन्स होने बन्द हो गए हैं क्योंकि ऐक्सरे-फ़िल्म्स नहीं है। अगर ऐसी सूचना मिली है तो क्या कदम आपने उठाये जिससे ऐक्स-रेफ़िल्म्स का तत्काल आयात किया जाय और बम्बई के सरकारी तथा कौरपोरेशन के अस्पतालों में जो कमी है उसको पूरा किया जाये ?

क्या साइन लेबोरेटरी बम्बई की ओर से यह प्रार्थना की गई है कि जो 15 हजार रोल फ़िल्म्स को इस समय रूसी एरिया से आप ने आयात करने का फ़ैसला किया है उसको तत्काल विमान से भारत लाया जाये ताकि बम्बई में इस समय जो फ़िल्म इंडस्ट्री करीब-करीब बन्द हो रही है, और हजार से अधिक कर्मचारी सिनेमा लेबोरेटरीज के इस समय बेकार हो रहे हैं उन की बेकारी दूर हो जाये और फ़िल्म इंडस्ट्री बम्बई की चल पाये ? तीसरे यह बताइये कि आपकी असल में ऐक्स-रे फ़िल्म्स और सिनेमा की रा-फ़िल्म्स के लिए जो मांग है वह कितनी है। लाइसेंस के बारे में आप स्टेटमेंट बाद में दें, लेकिन इसकी जानकारी अगर हो कि कितनी मांग है तो वह बता दीजिए, और उस कमी को पूरा करने के लिये आप क्या-क्या कदम उठा रहे हैं ?

श्री ब० रा० भगत : मुझे तो हैल्थ मिनिस्टर साहब ने नहीं कहा इसलिए मेरे पास उस विषय में कोई सूचना नहीं है कि ऐक्स-रे फ़िल्म्स के लिए उनके मंत्रालय से हमारे यहां कोई सूचना आयी है या नहीं। मगर यह बात जरूर है कि अस्पतालों में ऐक्स-रे फ़िल्म्स की शार्टेज है और इसका हल निकालने की कोशिश की जा रही है।

श्री जार्ज फ़रनेन्डीज : तमाम मेजर ऑपरेशन्स बम्बई में बन्द हैं।

श्री ब० रा० भगत : माननीय सदस्य ने मेरा ध्यान दिलाया है इसका तत्काल कोई उपाय किया जायगा।

SHRI SAMAR GUHA : It is a matter of shame that when operations have had to be stopped for want of X-ray films in a major city of the country, the hon. Minister's attention has had to be drawn to it and he should say *dhyan dilaya*. It is a matter of shame that he did not himself know of this before.

SHRI B. R. BHAGAT : I am sorry a seasoned member like Shri Guha should have made such remarkr. I am not in charge of Health. If the hon. member draws may my

attention to it, what else should I say ? If I do not do anything the matter having been brought to my notice, then it is a matter of shame. It is not a matter of shame now.

श्री रवि राय : यह कलेक्टिव रेस्पांसिबिलिटी है और जब हैल्थ मिनिस्टर को लिखा गया तो इन को भी जानना चाहिये था ।

श्री जार्ज फ़रनेन्डीज : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है ।...

MR. DEPUTY-SPEAKER : This seems to be a very serious matter. If another Ministry gets this communication, is it not a natural expectation on the part of the hon. member that it must have been passed on to him ?

SHRI GEORGE FERNANDES : I have sent three letters.

SHRI B. R. BHAGAT : My colleague, the Health Minister, has not mentioned it to me. Therefore, I did not know anything about it. Now that the hon. member has drawn my attention to it, I will immediately look into it. How do I know if the thing is not communicated to me ?

श्री जार्ज फ़रनेन्डीज : 15 हजार फिल्म रोल्स को जो रूपी एरिया से आयात करने का फैसला किया गया है उसको तत्काल विमान से लाने के लिये साइन लेबोरेटरी की जो डिमांड है, उसके बारे में आप ने क्या व्यवस्था की है ?

श्री ब० रा० भगत : जहां तक माननीय सदस्य ने सुझाव दिया कि इसको हवाई जहाज से मंगाया जाये तो मैं इसका विचार करूंगा । लेकिन चूंकि हवाई जहाज की फ्रैट कास्ट ज्यादा होती है, अगर इण्डस्ट्री उसको देने को तैयार होगी तो इस पर मैं जरूर विचार करूंगा । जहां तक डिमांड की बात है मैंने अभी कहा कि कुछ महीने पहले तक फिल्म इण्डस्ट्री की रा-फ़िल्म्स की जो डिमांड थी उसे हम हिन्दुस्तान फोटो फिल्म्स के द्वारा रा-फ़िल्म्स के प्रोडक्शन से मीट करते थे । यह प्रोडक्शन एक तरीके से गलत हो गया और वह 16,000 रोल्स से 12,000 रह गया । प्रोडक्शन में इस कमी के कारण एक टेम्पोरेरी दिक्कत आ गई है । इसके लिए हम 15,000 रोल्स इम्पोर्ट कर रहे हैं और हमारा विचार है कि उससे हमारी सारी डिमांड पूरी हो जायगी ।

Export of Iron Ore to Japan

\+

*212. SHRI S. K. TAPURIAH :
SHRI S. R. DAMANI :
SHRI R. K. BIRLA :
SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI :

Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state :

(a) whether it is a fact that some contracts have been signed between the Steel Industry of Japan and Minerals and Metals Trading Corporation of India for the export af iron ore to Japan;

(b) if so, when the export will begin and the quantity of ore likely to be exported; and

(c) the amount of foreign exchange India is likely to earn out of the bargain or it is on the barter system ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) and (b). Yes, Sir. Contracts for supply of 3.3 million tons of Balladila ore to be supplied during 1969-70 and 4 million tons of Kiriburu ore to be supplied during three years (1959-1971) have been concluded by the MMTC delegation which visited Tokyo in April/May, 1969.

(c) The sale is on cash basis. The foreign exchange earnings would be in U. S., Dollars, equivalent to a little over Rs. 48 crores.

SHRI S. K. TAPURIAH : The world has seen a fantastic rise in the price of steel almost in every country. Which provisions have been made in the contract mentioned by the hon. Minister so that